सड़क हादसे रोकेगा एआइ, यूपी पहला राज्य

निशांत यादव ● जागरण

लखनऊ : जल्द ही सड़क दुर्घटनाओं के पीछे तकनीकी गड़बड़ियों का पता एआइ (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) से लगाया जा सकेगा। उत्तर प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बनेगा, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग-डाटा एनालिटिक्स आधारित माड्यूल दुर्घटना के न केवल सटीक कारणों का पता लगाएगा, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने में भी मदद करेगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की एआइ और बिग-डाटा एनालिटिक्स आधारित सड़क-सुरक्षा पायलट परियोजना को एनओसी प्रदान कर दी है। परिवहन विभाग ने परीक्षण के आदेश दे दिए हैं।

दरअसल, उत्तर प्रदेश सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाओं वाले राज्यों में एक है। इसी वर्ष जनवरी से जून तक कुल 25,830 सड़क दुर्घटनाओं से 14,205 लोगों की मौत हुई है। दुर्घटनाएं खराब रोड इंजीनियरिंग, मौसम की गड़बड़ी, ड्राइवरों की कमी या अन्य कारणों से हुईं। इसका आज तक कोई विश्लेषण ही नहीं किया गया है। यही कारण है कि कई स्थानों पर दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होती रहती है। लखनऊ सहित 20 जिलों में पिछले वर्ष प्रदेश की 42 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल पर ही एआइ आधारित सड़क सुरक्षा परीक्षण की योजना तैयार की गई है। यह परीक्षण सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई आइटीआइ लिमिटेड व वैश्विक टेक-पार्टनर एमलोजिका करेंगी। शासन ने इसके लिए दस करोड़ के बजट का प्रविधान किया है। पायलट प्रोजेक्ट में प्रारंभिक प्रूफ आफ कंसेप्ट का चरण छह सप्ताह में पूरा करना होगा।

- केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने दी उप्र के पायलट प्रोजेक्ट को एनओसी

6 सप्ताह में दुर्घटनाओं का तकनीकी आकलन कर रिपोर्ट सौंपेगा परिवहन विभाग

सही कारणों का चलेगा पता

पूर्व अपर आयुक्त प्रवर्तन व सड़क सुरक्षा पुष्पसेन सत्यार्थी ने बताया कि अभी हादसों के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी की मैन्युअल रिपोर्ट को ही आधार माना जाता है। ऐसे में हादसों का असल कारण पता नहीं चलता। अब इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम वाले यूपी के 17 शहरों में इसे लागू किया जा सकता है। इसके बाद अधिक हादसों वाले दूसरे जिलों को चिह्नित कर वहां इसका उपयोग किया जा सकता है। आने वाले समय में बिना हेलमेट कोई चालक खड़ा है तो एआइ सिग्नल ग्रीन होने से रोक सकता है।